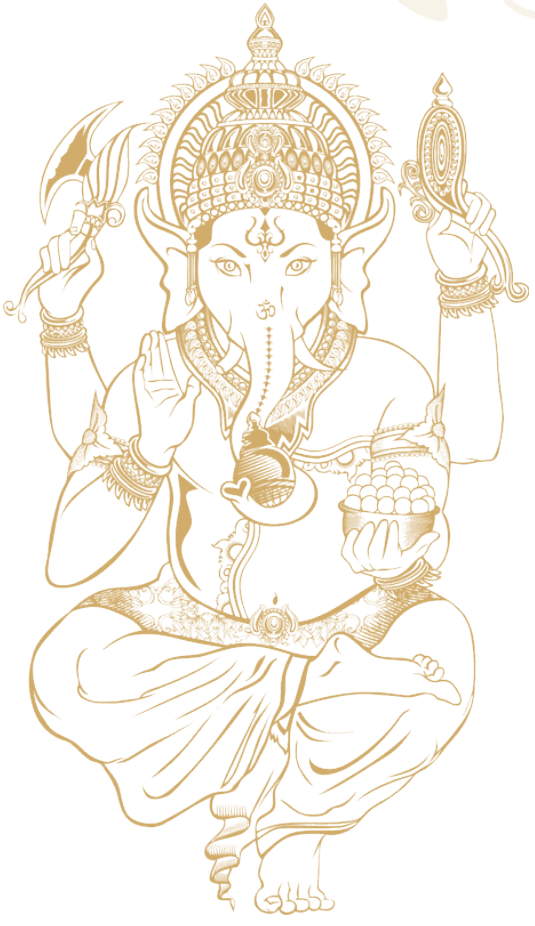

hirekhan

31 Mar 1979

06:00 PM

Nagpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121649202

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**31/03/1979**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**18:00:00 घंटे**
इष्ट	29:39:10 घटी
स्थान	**Nagpur**
राज्य	Maharashtra
देश	India

अक्षांश	21:10:00 उत्तर
रेखांश	79:12:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:13:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:46:48 घंटे
वेलान्तर	-00:04:24 घंटे
साम्पातिक काल	06:19:57 घंटे
सूर्योदय	06:08:19 घंटे
सूर्यास्त	18:27:13 घंटे
दिनमान	12:18:54 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	16:38:05 मीन
लग्न के अंश	11:05:16 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**कृतिका - 2**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	प्रीति
करण	विष्टि
गण	राक्षस
योनि	मेष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	गरूड़
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	इ-ईश्वर
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	11:05:16	336:39:36	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	चंद्र	---
सूर्य			मीन	16:38:05	00:59:16	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	मित्र राशि
चंद्र			वृष	01:04:43	13:25:17	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	राहु	उच्च राशि
मंगल		अ	मीन	01:20:30	00:46:55	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	मित्र राशि
बुध	व	अ	मीन	04:13:49	00:36:23	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	नीच राशि
गुरु			कर्क	05:29:17	00:01:03	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	बुध	उच्च राशि
शुक्र			कुंभ	09:16:37	01:11:36	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	मित्र राशि
शनि	व		सिंह	14:46:58	00:03:41	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
राहु	व		सिंह	23:44:27	00:03:10	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	शनि	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	23:44:27	00:03:10	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	शनि	शत्रु राशि
हर्ष	व		तुला	26:54:34	00:01:43	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	---
नेप	व		वृश्चि	26:54:44	00:00:16	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	---
प्लूटो	व		कन्या	24:30:05	00:01:40	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	---
दशम भाव			मिथु	11:00:42	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:33:57

लग्न-चलित

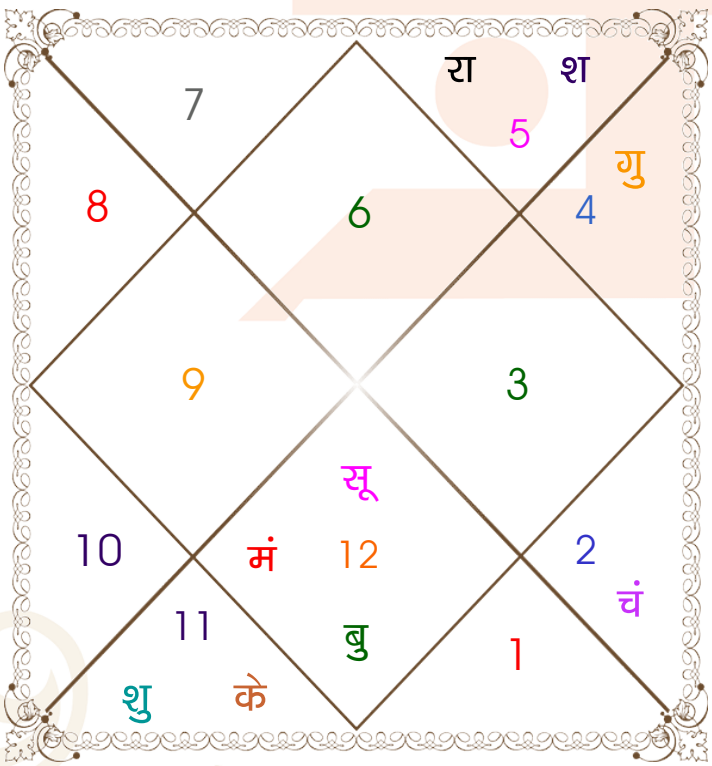

चन्द्र कुंडली

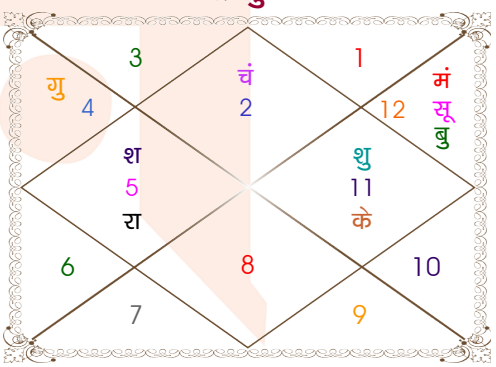

नवमांश कुंडली

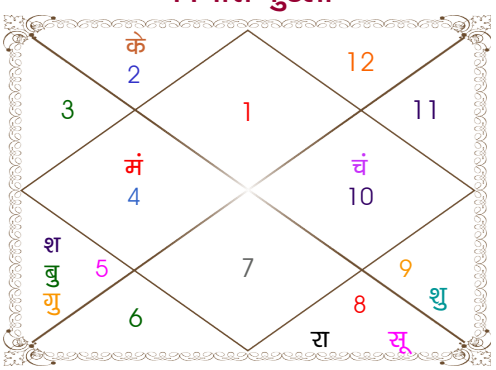

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 4 वर्ष 0 मास 5 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
31/03/1979		06/04/1983		05/04/1993		05/04/2000		05/04/2018	
06/04/1983		05/04/1993		05/04/2000		05/04/2018		05/04/2034	
	00/00/0000	चंद्र	04/02/1984	मंगल	01/09/1993	राहु	17/12/2002	गुरु	24/05/2020
	00/00/0000	मंगल	04/09/1984	राहु	20/09/1994	गुरु	12/05/2005	शनि	05/12/2022
	31/03/1979	राहु	06/03/1986	गुरु	27/08/1995	शनि	18/03/2008	बुध	12/03/2025
राहु	24/04/1979	गुरु	06/07/1987	शनि	04/10/1996	बुध	05/10/2010	केतु	16/02/2026
गुरु	10/02/1980	शनि	03/02/1989	बुध	02/10/1997	केतु	23/10/2011	शुक्र	17/10/2028
शनि	22/01/1981	बुध	06/07/1990	केतु	28/02/1998	शुक्र	23/10/2014	सूर्य	05/08/2029
बुध	29/11/1981	केतु	04/02/1991	शुक्र	30/04/1999	सूर्य	17/09/2015	चंद्र	05/12/2030
केतु	05/04/1982	शुक्र	04/10/1992	सूर्य	05/09/1999	चंद्र	18/03/2017	मंगल	11/11/2031
शुक्र	06/04/1983	सूर्य	05/04/1993	चंद्र	05/04/2000	मंगल	05/04/2018	राहु	05/04/2034

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
05/04/2034		05/04/2053		05/04/2070		05/04/2077		05/04/2097	
05/04/2053		05/04/2070		05/04/2077		05/04/2097		00/00/0000	
शनि	08/04/2037	बुध	02/09/2055	केतु	02/09/2070	शुक्र	05/08/2080	सूर्य	24/07/2097
बुध	17/12/2039	केतु	29/08/2056	शुक्र	02/11/2071	सूर्य	05/08/2081	चंद्र	22/01/2098
केतु	25/01/2041	शुक्र	30/06/2059	सूर्य	08/03/2072	चंद्र	06/04/2083	मंगल	30/05/2098
शुक्र	27/03/2044	सूर्य	05/05/2060	चंद्र	08/10/2072	मंगल	05/06/2084	राहु	31/03/2099
सूर्य	09/03/2045	चंद्र	05/10/2061	मंगल	06/03/2073	राहु	05/06/2087		00/00/0000
चंद्र	08/10/2046	मंगल	02/10/2062	राहु	24/03/2074	गुरु	03/02/2090		00/00/0000
मंगल	17/11/2047	राहु	20/04/2065	गुरु	28/02/2075	शनि	05/04/2093		00/00/0000
राहु	23/09/2050	गुरु	27/07/2067	शनि	08/04/2076	बुध	04/02/2096		00/00/0000
गुरु	05/04/2053	शनि	05/04/2070	बुध	05/04/2077	केतु	05/04/2097		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 4 वर्ष 0 मा 13 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म हस्त नक्षत्र के प्रथम चरण में कन्या लग्न के उदयकाल में हुआ था। साथ ही उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष राशि का नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण भी उदित था। जिसके प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप द्विस्वाभात्मक गुणों युक्त हैं। आप धार्मिक ग्रंथों कर अध्ययन का धर्म मार्ग में प्रवीण हो गए हैं तथा यह सन्देहास्पद विषय है कि आप इस मार्ग के सहारे अपने लक्ष्य को सम्पादित कर सकेंगे।

आप कुप्रवृति से दूसरों को सताकर धन का संचय करेंगे। ऐसा प्रतीत होता है कि आप धन की सुनिश्चितता के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकते हैं। आप निष्ठुर उद्दमी एवं परिश्रमी अध्यवसायी प्रवृति के हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकते हैं और मनुष्योचित जरूरतों की पूर्ति हेतु आप कोई स्पष्ट चाल चलकर अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु पश्चाताप करोगे। आप प्रसन्नचित एवं भाग्यशाली व्यक्ति हैं। आप संसारिक सुख का आनन्द प्राप्त करेंगे। आप अच्छे हृदय से अनेक प्रकार के सामाजिक कार्य में भाग लेगें। आप सदैव ही सभी के प्रेम सहवास की आकांक्षा रखेंगे।

आप कई वर्षों तक वैवाहिक संस्कार ग्रहण नहीं करेंगे। परन्तु जब आप एक वार अपनी जीवन संगिनी का चयन कर लेंगे तो विवाहोपरान्त उसमें जोंक की तरह चिपक जाएँगे। अर्थात सदैव उसके तन-मन के साथ रहेंगे। यह सत्य है कि आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण समर्पित रहेंगे। आपकी पत्नी आपके साथ एक पत्नी की अनिवार्य भूमिका अदा करेगी तथा सदैव ही प्रसन्नता की बिन्दु तलाश कर आपको प्रसन्न रखेगी। आप अपनी पत्नी के माध्यम से सदैव ही अच्छी सन्तान ग्रहण करेंगे। आपको उसके सम्बन्ध में कदापि भी उदासीन एवं चिन्तनीय दशा नहीं रहेगा। वह निश्चित रूप से आपकी सन्तान को शिक्षित कर सुविधापूर्वक जीवन को व्यवस्थित कर देंगी।

आपकी सामुद्रिक विदेश की यात्रा सभी प्रकार से मधुर मंगलमय नहीं होगी। आप स्वयं के बचाव के लिए प्रभावशाली बंधन पाल रखा है जो जीवन का अवरोधक एवं द्वन्दात्मक बना दिया है। आप निशचित रूप से स्वतः एकाग्रतापूर्वक एकमत से विचार कर किसी भी विषय को सम्पादित करने के लिए सक्षम हैं। परन्तु सम्प्रति आपकी बुद्धि अस्थिर है। आप पुनः अव्यवस्था का प्रतिकार कर लिया है तथा आपको सुव्यवस्थित समय का लाभ प्राप्त होगा। आपकी यह विशेषता है कि आप स्वच्छन्द रहते हैं। आप अपने मस्तिष्क को विषय वस्तु की ओर प्रवृत कर आप पुनः उत्साह पूर्वक कार्यारम्भ करने के लिए तैयार हो जाऐं।

आप अपनी मद्यपान करने की प्रवृति का त्याग करें। यदि आप अपनी स्वास्थ्य रक्षा चाहते हैं तथा युवावस्था का लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। अपनी युवावस्था अर्थात मध्यम आयु का आनन्द एवं लाभ प्राप्त करें। आप अपनी जीवन पद्धति के ह्रासमुखी अवधारणा को बदल सकते हैं। अन्यथा आप ज्यो-ज्यों आयु पथ पर प्रौढ़ता प्राप्त करते जाएंगे। आपको मध्यपान का अनुभव प्राप्त होगा और आपको रूग्नकारी प्रभाव से प्रभावित कर देगा। वैसे आप किसी विषम

रोग से आक्रान्त तो नहीं होगें। परन्तु आपको सिरोवेदना, पीठ के दर्द, ट्यूमर एवं रक्तचाप वृद्धावस्था में कष्टकर न हो। अतः सतर्कता बरतनी चाहिए। सम्प्रति आप दीर्घ जीवन व्यतीत करने के प्रति आश्वस्त रहें। आपका संभावित रोगादि के प्रति सुरक्षात्मक अभिरूचि रखना चाहिए ताकि आपका जीवन रोग मुक्त एवं सुरक्षित रहे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए वास्तव में अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल हैं तथा अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए त्यागनीय है।

आपके लिए अनुकूल एवं भाग्यशाली रंग पीला, सूआपंखी, हरा रंग है। आपके लिए रंग लाल, बल्लू एवं काला रंग प्रतिकूल है।